भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3383

उत्तर देने की तिथि : 09.12.2019

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय

† 3383. डॉ. लोरहो फोज़ः

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मणिपुर कैंपस में और अधिक विभाग खोलने और मौजूदा सीट में वृद्धि करके और अधिक छात्रों को समायोजित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मणिपुर कैंपस में गत तीन वर्षों के दौरान कितनी धनराशि आबंटित और खर्च की गई है;

(ग) क्या सरकार का विचार मणिपुर या उत्तर पूर्व में एक अलग, पूर्ण-जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का है ताकि जनजातीय लोगों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके क्योंकि वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय का कैंपस विस्तार जनजातीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या यह विचार करने योग्य नहीं है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल '<u>निशंक</u>')

(क) : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय ने सूचित किया है कि वर्तमान में क्षेत्रीय कैंपस मणिपुर (आरसीएम), मणिपुर में 5 विभाग कार्यरत हैं और आरसीएम, मणिपुर में और विभाग खोले जाने संबंधी कोई मांग नहीं है।

(ख) : वर्ष 2016-17 से 2018-19 के दौरान आरसीएम, मणिपुर पर कुल 19.13 करोड़ रू. (अनुमानित) की कुल राशि व्यय की गई है।

(ग) और (घ) : मणिपुर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय परिसर जनजातीय लोगों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर के प्रत्येक राज्य में जनजातीय लोगों सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालय है।

******